(ङ) सहायक स्टाफ के नियमित पद पर भर्ती के समय दैनिक मजदूरी पर कार्य कर रहे व्यक्ति तथा जिन्होंने लगातार 2 वर्षों में 240 न्यूनतम दिन पूरे कर लिये हों और जिनका कार्य तथा आचरण अच्छा रहा हो, उन्हें साक्षात्कार/विचार हेतु अन्य उम्मीदवारों के साथ बुलाया जाता है और नियमित पदों पर नियुक्तियों में जहां तक संभव होता है दैनिक मजदूरों को वरीयता दी जाती है ।

(ग) और (घ) उत्तरी शीतोष्ण क्षेत्रीय केन्द्र, गडसा में खाली पद न होने के कारण, वर्ष 1980 से सहायक स्टाफ (ग्रुप डी) की नियुक्ति नहीं हो सकी ।

विवरण

केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, हिसारबल प्रदेश के उत्तरी शीतोष्ण क्षेत्रीय केन्द्रों में कार्यरत भिन्न-भिन्न वर्गों के व्यक्तियों का ब्यौरा

पदों का वर्ग	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	कब से कार्यरत हैं
वैज्ञानिक :		
वर्ग "क"	6	पहले 1982 से आगे तक
तकनीकी कर्मचारी :		
वर्ग "ख"	4	पहले 1968 से आगे तक
वर्ग "ग"	12	पहले 1969 से आगे तक
प्रशासनिक कर्मचारी :		
वर्ग "ख"	1	पहले 1986 से आगे तक
वर्ग "ग"	4	पहले 1972 से आगे तक
आक्सीलरी स्टाफ :		
वर्ग "ग"	3	पहले 1964 से आगे तक
सहायक कर्मचारी :		
वर्ग "घ"	23	पहले 1967 से आगे तक
	आकस्मिक मजदूर	
दिहाड़ी पर काम करने वाले आकस्मिक मजदूर	20	नियमित कर्मचारी नहीं हैं।

Drip Irrigation system in Madhya Pradesh

5032. SHRI SURESH PACHOURI : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) to what extent the Scheme of Drip Irrigation System was introduced in Madhya Pradesh during 1992-93;

(b) what was the allocation made to Madhya Pradesh under the scheme;

(c) how much amount was earmarked for Madhya Pradesh during 1992-93; and

(d) what were the States which have been benefitted under the Scheme ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM) : (a) to (c) An amount of Rs. 1.5 crores was allocated and released to Madhya Pradesh during 1992-93 as subsidy for Drip Irrigation System.

(d) All States and UTs except Chandigarh were allocated funds for subsidy for Drip Irrigation System.

Unfavourable weather for oilseed production

5033. SHRI SURESH PACHOURI : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether the rainfall and weather conditions were not favourable to the oilseed production during 1992-93 and 1993-94;